

गता है कि
ह उन्होंने
ने को ही
आशीर्वाद
ऐसे ही

स मिश्र

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ क्रमांक
१. यात्रारूपायन की	३३
२. जयदेव और 'गीतगोविंद'	१५१
३. कान्हेरी गीतगोविंद	१९५
४. चित्रावली विवरण	२१७
५. गीतगोविन्दकाव्यम्	२५४
६. संदर्भ-ग्रंथ	२८४